RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

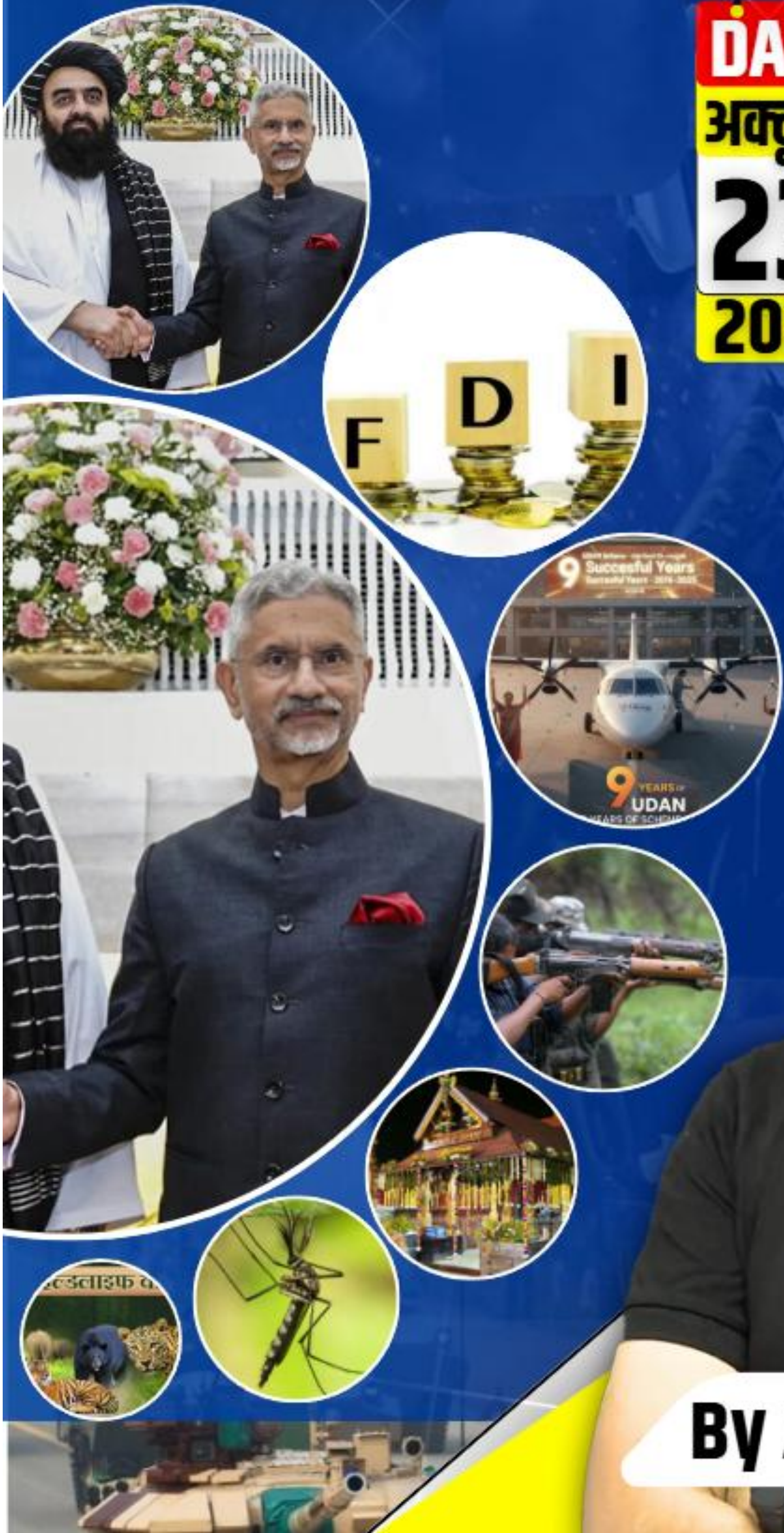

DATE
अक्टूबर
23
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

भारत ने काबुल में 'तकनीकी मिशन' को औपचारिक रूप से दूतावास में अपग्रेड किया / India formally upgrades 'technical mission' in Kabul to embassy

संदर्भ:

भारत ने अफगानिस्तान के काबुल में अपने **"टेक्निकल मिशन"** को औपचारिक रूप से **पूर्ण दूतावास (Embassy)** का दर्जा दे दिया है। विदेश मंत्रालय (MEA) द्वारा जारी घोषणा के अनुसार, यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू होगा। यह कदम भारत और अफगानिस्तान के बीच कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा रहा है।

पृष्ठिभूमि:

भारत ने अफगानिस्तान में अपने राजनयिक मिशन को तकनीकी दफ्तर से पूर्ण दूतावास का दर्जा देने का निर्णय लिया है। यह फैसला **अक्टूबर 2025 की शुरुआत में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की भारत यात्रा** के बाद लिया गया है।

- भारत ने अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया था और काबुल स्थित दूतावास को बंद कर दिया था।
- जून 2022 में भारत ने एक **तकनीकी टीम को फिर से तैनात किया**, ताकि मानवीय सहायता और वीजा से जुड़ी सेवाओं में सहयोग मिल सके।

अपग्रेड से जुड़ी मुख्य बातें:

- **उद्देश्य:** इस कदम से भारत-अफगानिस्तान के बीच विकास, मानवीय सहायता और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहराई देने की प्रतिबद्धता झलकती है।
- **नेतृत्व:** अपग्रेडेड दूतावास का नेतृत्व एक राजनयिक करेंगे जिन्हें **Chargé d'affaires** के स्तर पर नियुक्त किया जाएगा।
- **मान्यता की स्थिति:** यह कदम भारत और अफगानिस्तान के बीच राजनयिक जुड़ाव को बढ़ाने का संकेत है, लेकिन यह तालिबान शासन की औपचारिक मान्यता नहीं है।
- **पारस्परिकता:** अफगानिस्तान भी चरणबद्ध तरीके से भारत में अपने राजनयिक भेजने की योजना बना रहा है, ताकि द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाया जा सके।

भारत-अफगानिस्तान संबंध:

भारत और अफगानिस्तान के संबंध सिंधु घाटी सभ्यता के समय से चले आ रहे हैं। दोनों देशों के बीच संबंध केवल सरकारों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और मानवीय जुड़ाव पर आधारित हैं।

स्वतंत्रता के बाद की शुरुआत:

- जनवरी 1950 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री **पंडित जवाहरलाल नेहरू** और अफगानिस्तान के तत्कालीन राजदूत **मोहम्मद नजीबुल्लाह** के बीच पांच वर्षीय **मैत्री संधि** पर हस्ताक्षर हुए, जिससे दोनों देशों के औपचारिक संबंधों की शुरुआत हुई।
- भारत उन पहले गैर-सम्यवादी देशों में से एक था जिसने 1979 में सोवियत आक्रमण के बाद अफगानिस्तान की सरकार को स्वीकार किया।

2021 के बाद भारत-अफगान संबंध:

- **अगस्त 2021:** काबुल में तालिबान के कब्जे के बाद भारत ने **ऑपरेशन देवी शक्ति** के तहत अपने राजनयिकों को निकालकर दूतावास बंद कर दिया।
- **मान्यता नहीं, लेकिन संवाद जारी:** भारत ने तालिबान शासन को औपचारिक मान्यता नहीं दी, परंतु **मानवीय सहायता और तकनीकी टीम के माध्यम से व्यावहारिक जुड़ाव** बनाए रखा।
- **जून 2022:** भारत ने काबुल में दूतावास को "**टेक्निकल टीम**" के साथ फिर से खोला, ताकि सहायता परियोजनाओं की निगरानी की जा सके।
- भारत ने **संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से खाद्यान्न, दवाइयाँ, वैक्सीन और सर्दियों के कपड़े** भेजे।
- **2023:** भारत ने **मॉस्को फॉर्मेट** और **SCO अफगान संपर्क समूह** जैसे मंचों पर संवाद बनाए रखा, परंतु औपचारिक मान्यता से परहेज किया।

व्यापार और वाणिज्यिक संबंध:

- प्राचीन काल से अफगानिस्तान भारत से मध्य एशिया तक के व्यापार मार्ग (सिल्क रूट) का द्वार रहा है।
- वर्तमान में भारत, अफगानिस्तान को चाबहार पोर्ट और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन कॉरिडोर (INSTC) के माध्यम से एक रणनीतिक भूमि सेतु के रूप में देखता है।
- भारत, दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदारों में से एक है।
- **अफगानिस्तान से भारत को निर्यात:** सूखे मेवे, ताजे फल, मसाले, औषधीय जड़ी-बूटियाँ।
- **भारत से अफगानिस्तान को निर्यात:** दवाइयाँ, वस्त्र, मशीनरी, चीनी, सीमेंट और चाय।
- **2015-16 में द्विपक्षीय व्यापार:** 834.5 मिलियन डॉलर (भारत से 526.6 मिलियन डॉलर का निर्यात और 307.9 मिलियन डॉलर का आयात)।
- **2021 से पहले:** द्विपक्षीय व्यापार 1.5 बिलियन डॉलर वार्षिक स्तर पार कर गया था।

अगस्त में शुद्ध एफडीआई प्रवाह में 159% की गिरावट / Net FDI inflow fell by 159% in August

संदर्भ:

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2025 में भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) 159% की तेज गिरावट के साथ नकारात्मक हो गया है। इस अवधि में विदेशी निवेश के बहिर्वाह (outflows) ने अंतर्वाह (inflows) को पार कर लिया, जिससे देश को $616 मिलियन का शुद्ध FDI बहिर्वाह दर्ज हुआ, जबकि पिछले वर्ष अगस्त में लगभग $1 बिलियन का शुद्ध प्रवाह (inflow) दर्ज किया गया था।

मुख्य विवरण:

- **सकल प्रवाह में कमी:** भारत में सकल FDI घटकर $6.05 बिलियन रह गया, जो अगस्त 2024 की तुलना में 30.6% और जुलाई 2025 से 45.5% कम है।
- **रिपैट्रिएशन में वृद्धि:** भारत में कार्यरत विदेशी कंपनियों द्वारा पूंजी वापसी और विनिवेश बढ़कर $4.93 बिलियन हो गया, जो जुलाई की तुलना में लगभग 30% अधिक है।
- **आउटवर्ड FDI में गिरावट:** भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशों में किया गया निवेश घटकर $1.74 बिलियन रह गया।
- **शुद्ध परिणाम:** कुल आउटफ्लो (रिपैट्रिएशन + आउटवर्ड FDI) सकल इनफ्लो से अधिक होने के कारण $616 मिलियन का शुद्ध बहिर्वाह दर्ज हुआ, जो पिछले वर्ष के सकारात्मक प्रवाह की तुलना में 159% की गिरावट है।
- **वित्त वर्ष में दूसरी बार:** चालू वित्त वर्ष में यह **दूसरी बार** है जब शुद्ध FDI बहिर्वाह हुआ – पहली बार यह स्थिति **मई 2025** में दर्ज की गई थी।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) के बारे में:

परिभाषा: FDI का अर्थ है किसी विदेशी निवेशक द्वारा –

- किसी अनलिस्टेड भारतीय कंपनी में इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स के माध्यम से निवेश करना या
- किसी *लिस्टेड भारतीय कंपनी* में 10% या उससे अधिक पोस्ट-इश्यू पेड-अप इक्विटी कैपिटल (फुली डायल्यूटेड बेसिस पर) का अधिग्रहण करना।

शासन एवं विनियमन:

- *Consolidated Foreign Direct Investment Policy (2020)*
- *Foreign Exchange Management (Non-Debt Instruments) Rules, 2019*

Gross और Net FDI का अर्थ:

- **Gross FDI:** विदेशी संस्थाओं द्वारा भारत की उत्पादक परिसंपत्तियों में किया गया कुल निवेश।
- **Net FDI:** Inward FDI में से Outward FDI (यानी Repatriation + भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशी निवेश) घटाने के बाद बचा हुआ अंतर।

प्रवेश मार्ग (Entry Routes):

- **Automatic Route:** RBI या केंद्र सरकार की पूर्व-स्वीकृति आवश्यक नहीं होती।
  - *100% FDI की अनुमति वाले प्रमुख सेक्टर:* कृषि एवं पशुपालन, कोयला एवं लिग्नाइट, तेल एवं गैस की खोज, हवाई अड्डे (ग्रीनफील्ड और मौजूदा), इंडस्ट्रियल पार्क, टेलीकॉम सेवाएं, ट्रेडिंग आदि।
- **Government Route:** पूर्व सरकारी स्वीकृति आवश्यक होती है, और निवेश सरकार द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुरूप होना चाहिए।

FDI के प्रमुख महत्व के क्षेत्र:

- **आर्थिक विकास:** विदेशी पूंजी नए व्यवसायों, परियोजनाओं और उद्योगों को वित्तीय सहयोग देकर GDP वृद्धि में मदद करती है।
- **रोज़गार सृजन:** विदेशी कंपनियों के आने से विभिन्न क्षेत्रों में नए रोजगार अवसर बढ़ते हैं।
- **तकनीकी हस्तांतरण:** विदेशी निवेश से नई तकनीक, प्रबंधन ज्ञान और नवाचार भारत में आते हैं।
- **बुनियादी ढांचा विकास:** FDI से सड़क, बंदरगाह, ऊर्जा और हवाई अड्डों जैसी अवसंरचना मजबूत होती है।
- **निर्यात और विदेशी मुद्रा:** विदेशी कंपनियाँ भारत को उत्पादन केंद्र बनाकर निर्यात और विदेशी मुद्रा आय बढ़ाती हैं।
- **प्रतिस्पर्धा व नवाचार:** विदेशी निवेश से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ती है, जिससे स्थानीय कंपनियाँ नवाचार को अपनाती हैं।
- **औद्योगिक विविधता:** विभिन्न उद्योगों में निवेश से अर्थव्यवस्था विविध और लचीली बनती है।
- **निवेशक विश्वास:** बढ़ता FDI प्रवाह भारत के स्थिर और निवेश-अनुकूल माहौल का संकेत देता है।

UDAN Scheme / उड़ान योजना

संदर्भ:

नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) ने क्षेत्रीय संपर्क योजना – **उड़ान (UDAN)** की 9वीं वर्षगांठ मनाई, जो भारत की क्षेत्रीय वायुसेवा वृद्धि में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो रही है।

UDAN Scheme: "Ude Desh ka Aam Nagrik"

UDAN (Ude Desh ka Aam Nagrik) भारत की प्रमुख *Regional Connectivity Scheme (RCS)* है, जिसका उद्देश्य आम नागरिक के लिए हवाई यात्रा को *सुलभ और किफायती* बनाना है। यह योजना *दूरदराज और क्षेत्रीय क्षेत्रों* को प्रमुख शहरों से जोड़ती है, जिससे आर्थिक और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा मिलता है।

- **शुरुआत:** 21 अक्टूबर 2016 को *National Civil Aviation Policy (NCAP)* के तहत लागू की गई।
- **पहली उड़ान:** 27 अप्रैल 2017, शिमला से दिल्ली।

लक्ष्य:

- हवाई यात्रा को आम जनता तक पहुँचाना।
- क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाना, खासकर Tier-2 और Tier-3 शहरों में।
- संतुलित आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।
- पर्यटन, व्यापार और रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना।

मुख्य विशेषताएँ:

1. **Viability Gap Funding (VGF):**
   - एयरलाइंस को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है ताकि *किफायती किराया* सुनिश्चित किया जा सके।
   - VGF के जरिए मार्गों की व्यावसायिक असमर्थता को कवर किया जाता है।
2. **Airfare Cap:**
   - टिकट की कीमतें आम नागरिक की पहुंच में बनी रहें।
   - यह सुविधा उड़ानों को अधिक लोगों तक पहुँचाने में मदद करती है।
3. **Incentivised Framework:**
   - *एयरपोर्ट शुल्क में छूट* और *एविएशन टरबाइन फ्यूल (ATF) पर कर में रियायत*।
   - इससे एयरलाइंस के संचालन खर्च में कमी आती है और किफायती किराया बनाए रखना आसान होता है।
4. **Multi-Stakeholder Governance:**
   - योजना का क्रियान्वयन *MoCA (Ministry of Civil Aviation), राज्य सरकारें, AAI (Airports Authority of India)* और निजी ऑपरेटरों के संयुक्त प्रयास से होता है।
   - यह समन्वित रणनीति सुनिश्चित करती है और नीति के लक्ष्यों की सफलता में योगदान देती है।
5. **UDAN 5.5 & Seaplane Guidelines (2024):**
   - योजना का विस्तार *जल हवाई अड्डों (Water Aerodromes)* और *हेलीपोर्ट्स* तक किया गया।
   - इससे *last-mile connectivity* मजबूत होती है और किफायती हवाई सेवाओं की पहुँच और बढ़ती है।

महत्व:

- दूरस्थ क्षेत्रों में पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा।
- रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती।
- हवाई यात्रा को आम जनता के लिए *सुलभ और किफायती* बनाकर क्षेत्रीय असंतुलन को कम करना।

UDAN योजना: प्रमुख उपलब्धियाँ-

- **संचालन नेटवर्क:** योजना के तहत 649 रूट्स, 93 हवाई अड्डे, 15 हेलीपोर्ट्स और 2 जल हवाई अड्डों से जुड़े हुए हैं।
- **यात्री पहुंच:** अब तक 1.56 करोड़ से अधिक यात्रियों ने 3.23 लाख UDAN उड़ानों का लाभ लिया है।
- **आर्थिक सहायता:** एयरलाइंस को ₹4,300 करोड़ से अधिक *Viability Gap Funding (VGF)* के रूप में प्रदान किया गया।
- **क्षेत्रीय हवाई अड्डा विकास:** क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विकास में **₹4,638 करोड़** का निवेश किया गया।
- **हवाई अड्डा विस्तार:** भारत का हवाई अड्डा नेटवर्क 2014 में 74 हवाई अड्डों से बढ़कर 2024 में 159 हवाई अड्डों तक पहुँच गया।
- **सामावेशी पहलें:** *Krishi UDAN* और *UDAN Yatri Cafes* जैसी पहलों से ग्रामीण हवाई परिवहन को बढ़ावा मिलता है और आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा सुलभ होती है।

इन उपलब्धियों से UDAN योजना की सफलता स्पष्ट होती है: क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाना, आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना और हवाई यात्रा को आम नागरिक तक पहुँचाना।

माओवादियों का सामूहिक आत्मसमर्पण / Mass Surrender of Maoists

संदर्भ:

छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में एक सामूहिक कार्यक्रम में कुल 210 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। इसे राज्य में नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक माओवादी आत्मसमर्पण बताया जा रहा है।

LWE प्रभावित क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति:

- **सबसे प्रभावित जिले:** प्रभावित जिलों की संख्या घटकर **3** रह गई है – *बिजापुर, सुकमा, नारायणपुर,* सभी छत्तीसगढ़ में स्थित।
- **कुल प्रभावित जिले:** 2025 तक LWE-प्रभावित जिलों की संख्या घटकर **11** हो गई है, जो पहले **18** थी।
- **हिंसा में कमी:** 2010–2024 के बीच हिंसक घटनाओं में **81% की गिरावट** आई है।
- **राष्ट्रीय लक्ष्य:** 31 मार्च 2026 तक *Left Wing Extremism* का पूर्ण उन्मूलन।
- **तुलनात्मक दृश्य:** 2013 में भारत के **126 जिले** नक्सली हिंसा से प्रभावित थे।

माओवादी गतिविधियाँ या लेफ्ट-विंग एक्सट्रीमिज़्म (LWE):

- **मूल विचारधारा:** यह *कट्टर कम्युनिस्ट विचारधारा* पर आधारित है, जो राज्य को उखाड़ फेंकने और *वर्गहीन समाज* स्थापित करने के लिए *सशस्त्र संघर्ष* की वकालत करती है।
- **भारत में उत्पत्ति:** भारत में LWE की जड़ें *1967 के नक्सलबाड़ी विद्रोह (पश्चिम बंगाल)* से जुड़ी हैं, जो माओ जेडॉन्ग की क्रांतिकारी रणनीतियों से प्रेरित थी।
- **संगठनों का विकास:** आंदोलन ने *कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट)* और बाद में *CPI (माओवादी)* जैसे समूहों के गठन के माध्यम से गति प्राप्त की।
- **रणनीति:** ये समूह *चुनावी राजनीति को अस्वीकार* करते हैं और *हिंसक क्रांति* को अपनाते हैं।

सरकार की रणनीति: LWE से निपटने के लिए:

राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना (2015):

LWE से निपटने के लिए *समग्र दृष्टिकोण* अपनाया गया है:

- सुरक्षा ढांचा और कर्मियों को सुदृढ़ बनाना।
- सड़क संपर्क और टेली-कॉम सुविधाओं को बढ़ावा देना।
- आदिवासी समुदायों के अधिकार और लाभ सुनिश्चित करना।
- विभिन्न मंत्रालयों में विकास योजनाओं का समन्वय।

सरकारी संकल्प:

- गृह मंत्रालय (MHA) ने 31 मार्च 2026 तक LWE को समाप्त करने का संकल्प दोहराया।
- माओवादी हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने के लिए प्रेरित किए जा रहे हैं।
- हाल की *जनसमूह आत्मसमर्पण* की घटनाएँ आंदोलन में बढ़ती नाराजगी को दर्शाती हैं।
- पुनर्वास कार्यक्रमों के तहत वित्तीय सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण और आवास प्रदान किए जाते हैं ताकि पूर्व उग्रवादी समाज में पुनः शामिल हो सकें।

सुरक्षा उपाय:

- *केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPFs)* और विशेष *एंटी-नक्सल इकाइयों* की तैनाती।
- ड्रोन और निगरानी प्रणालियों सहित तकनीक और खुफिया जानकारी का उपयोग।
- दूरदराज इलाकों में उपस्थिति बनाए रखने के लिए *फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (FOBs)* की स्थापना।

विकास पहल:

- आदिवासी क्षेत्रों में सड़क परियोजनाओं से पहुंच और गतिशीलता में सुधार।
- टेलीकॉम नेटवर्क, बिजली और बैंकिंग सेवाओं का विस्तार।
- शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका कार्यक्रमों पर ध्यान।
- लक्षित निवेश के माध्यम से 'रेड जोन' को *विकास गलियारों* में बदलना।

वैचारिक उपाय:

- समुदायिक जुड़ाव और जागरूकता अभियानों के माध्यम से माओवादी प्रचार का मुकाबला।
- *Bharat Manthan 2025 – Naxal Mukt Bharat* जैसे सेमिनार राज्यों में सर्वसम्मति और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने का प्रयास।

सबरीमाला मंदिर / Sabarimala Temple

संदर्भ:

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केरल के **सबरीमला स्थित** भगवान अयप्पा मंदिर में पूजा-अर्चना की। वह इस मंदिर में दर्शन करने वाली पहली महिला राष्ट्रपति बनी हैं।

- इससे पहले केवल पूर्व राष्ट्रपति वी.वी. गिरि (1970 के दशक) ने यहां दर्शन किए थे- वे डोली में सवार होकर मंदिर तक पहुँचे थे।

सबरीमाला मंदिर के बारे में:

- **स्थान:** पथानमथिट्टा ज़िला, केरल
- **ऊँचाई:** समुद्र तल से 1260 मीटर
- **स्थिति:** 18 पहाड़ियों के बीच, पेरियार टाइगर रिज़र्व के घने जंगलों के भीतर
- **देवता:** भगवान अयप्पन (धर्मशास्ता) — जो एक ब्रह्मचारी (celibate) देवता हैं।
- **प्रसिद्धः** अपने सख्त धार्मिक अनुशासन और वार्षिक तीर्थयात्रा परंपरा के लिए।

सबरीमाला तीर्थयात्रा:

खुलने के अवसर:

- मंडलपूजा (15 नवंबर – 26 दिसंबर)
- मकरविलक्कु / मकर संक्रांति (14 जनवरी)
- महातिरुविल संक्रांति (14 अप्रैल)
- प्रत्येक मलयालम महीने के पहले पाँच दिन

विशेषता:

- भक्त "व्रतम" का पालन करते हैं- 41 दिन का संयम काल, जिसमें मांस, शराब और क्रोध से दूर रहना अनिवार्य होता है।
- इस अवधि में भक्त रुद्राक्ष या तुलसी की माला धारण करते हैं।
- हर श्रद्धालु को "इरुमुडिकट्टू" लेकर आना आवश्यक है — बिना इसके 18 पवित्र सीढ़ियाँ नहीं चढ़ी जा सकतीं।
- तीर्थ परंपरा में एक विशिष्ट पहल यह भी है कि भक्त वावर मस्जिद (अयप्पा के मुस्लिम भक्त वावर) में भी प्रार्थना करते हैं।

मंदिर वास्तुकला:

- 1950 में आगजनी के बाद मंदिर को फिर से बनाया गया।
- मूर्ति को पंचधातु (Panchaloha) से पुन: निर्मित किया गया।
- गर्भगृह में स्वर्ण मढ़ित छत और चार सुनहरे कलश हैं।
- प्रमुख प्रवेश द्वार: 18 पवित्र सीढ़ियाँ (Pathinettu Thiruppadi) जो मंदिर की धार्मिक पहचान हैं।

आइसलैंड में मच्छर / mosquitoes in Iceland

संदर्भ:

अक्टूबर 2025 में **आइसलैंड** में पहली बार तीन मच्छर बाहरी क्षेत्रों में पाए गए। इससे पहले आइसलैंड पृथ्वी के उन दो स्थानों में से एक था (दूसरा अंटार्कटिका) जिसे कठोर जलवायु और स्थिर जल स्रोत की कमी के कारण मच्छर-मुक्त माना जाता था।

मुख्य विवरण:

- **खोज:** कीट प्रेमी *Björn Hjaltason* ने Reykjavík के पास *Kjós* नामक ग्रामीण ग्लेशियल घाटी में कई रातों तक *moth-attracting "wine rope" trap* का उपयोग करते हुए मच्छरों को देखा।
- **प्रजाति की पहचान:** पाए गए नमूने (दो मादा और एक नर) को कीटविज्ञानी *Matthías Alfreðsson* ने *Icelandic Institute of Natural History* में *Culiseta annulata* के रूप में पहचाना। यह प्रजाति ठंड सहनशील है और कठोर सर्दियों में अस्तबल, बेसमेंट जैसी जगहों में रहकर जीवित रह सकती है।
- **महत्व:** यद्यपि Keflavík हवाई अड्डे पर पहले केवल एक मच्छर देखा गया था, यह **Iceland के प्राकृतिक वातावरण में मच्छरों का पहली बार दस्तावेजीकृत होना** है।
- **संभावित कारण:** इनके आने का सटीक कारण अभी निगरानी में है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि ये जहाजों या कार्गो कंटेनरों के माध्यम से आ सकते हैं। यह खोज **जलवायु परिवर्तन** पर भी चिंता जताती है, क्योंकि Iceland उत्तरी गोलार्ध की तुलना में **चार गुना तेजी से गर्म हो रहा है**, जिससे भविष्य में यह और अन्य मच्छर प्रजातियों के लिए अनुकूल हो सकता है।

GS FOUNDATION
For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
~~₹6000/-~~
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
~~₹4000/-~~
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
Baaten Bazar Ki
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..
Baaten Bazar Ki

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

BBK Baaten Bazaar ki

EMI AVAILABLE

+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)

FREE

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR